जिला सामाजिक आर्थिक

पुर्नरीक्षण

जिला कैथल

वर्ष 2011–2012

जिला सांख्यान अधिकारी

कैथल

आमुख

प्रस्तुत संस्करण जिला कैथल का 17वा अंक है। इसमें जिले की सभी महत्त्वपूर्ण सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं विशेषकर क्षेत्रफल, जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, बिजली, उद्योग, श्रम, सड़के, परिवहन, स्वास्थ्य, सहकारिता एवं कीमतों बारें आंकड़े सम्मिलित हैं। आशा है कि यह प्रकाशन प्रशासकीय एवं योजना नीति तैयार करने में सहायक होगा।

मैं विभिन्न विभागाध्यक्षों के प्रति आंकड़े प्रदान करने की सामयिक सहायता के लिए आभारी हूं। इस कार्यालय की क्षेत्रीय सहायक श्रीमति कृष्णा, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी,का इस संस्करण को तैयार करने के लिए आभार प्रकट करता हूं ।

श्री निर्मल कुमार
जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
कैथल

2011–2012

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1	स्थिति तथा भौतिक विशेषताएं	1
2	जनसंख्या	3
3	वन	5
4	कृषि	5
5	सिंचाई	8
6	पशुपालन तथा डेयरी	9
7	मत्स्य पालन	10
8	विद्युत	10
9	खनिज एवं उद्योग	11
10	सड़क परिवहन तथा संचार	11
11	श्रम तथा रोजगार	12
12	सहकारिता	13
13	बैंक	13
14	कीमतें	14
15	शिक्षा	14
16	चिकित्सा तथा जन–स्वास्थ्य	15
17	समाज कल्याण सेवायें	16
18	विविध	17
19	जिला एक नज़र में	19

स्थिति तथा भौतिक विशेषतायें

1–1 स्थिति

जिला कैथल हरियाणा राज्य के 29.40 अक्षांश तथा 76.24 रेखांक पर स्थित है तथा इसकी समुद्र तल से ऊंचाई 235 मीटर है। इसके उत्तर पूर्व में कुरुक्षेत्र जिला, दक्षिण में करनाल तथा जीन्द और पश्चिम में पंजाब राज्य की सीमायें लगती है।

1–2 क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा

जिला कैथल का क्षेत्रफल 2317 वर्ग कि0मी0 है जो कि हरियाणा राज्य में 7वां स्थान रखता है और राज्य के कुल क्षेत्रफल का 5.24 प्रतिशत है। दिनांक 01–11–1989 को कैथल जिला बनाया गया । कैथल, पूण्डरी तथा गुहला तीन तहसीलें हैं जो कि 2 उपमण्डल, कैथल तथा गुहला के अन्तर्गत आती हैं । जिले का प्रशासनिक मुख्य कार्यालय कैथल में है जो कि चण्डीगढ, हिसार राष्ट्रीय मार्गनं0 65 पर स्थित है।

2011 की जनगणनानुसार जिले में 270 गांव हैं यह सभी गांव 6 सामुदायिक विकास खण्डों के अधीन आते हैं। तहसील कैथल के अन्तगर्त कैथल, पुण्डरी, कलायत, राजौन्द व सीवन खण्ड हैं तथा तहसील गुहला में गुहला खंड आते हैं। जिला कैथल में 4 नगर – कैथल, चीका, पुण्डरी तथा कलायत हैं। जिला कैथल में वर्ष 2011–12 में 270 ग्राम पंचायतें हैं जिनकी कुल सदस्य संख्या 3185 है। जिनमें 679 हरिजन पंच/सरपंच, 446 पिछड़े वर्ग के पंच/सरपंच एवं 1044 महिला पंच/सरपंच है। जिला कैथल में 7 मार्किट कमेटियों हैं जिनमें से 5 कैथल तहसील तथा शेष एक गुहला में है।

1–4 भौतिक विशेषतायें

जिला कैथल का भूस्थल चपटा कछार है तथा समुद्रतल से 235 मीटर ऊंचा है। भूमि का बहाव मुख्यतः उत्तर पूर्व से दक्षिण पश्चिम दिशा की ओर है।

1–5 खनिज सम्पदा

जिला कैथल खनिज सम्पदा के लिये भाग्यशाली नहीं है केवल तहसील कैथल में ही काफी कम मात्रा में शोरा प्राप्त होता है।

1–6 नदियां

मारकण्डा तथा घग्घर दो महत्वपूर्ण नदियां है जो कि उत्तर दिशा में शिवालिक की पहाडियों से निकल कर अम्बाला जिले मे बहती हुई जिले के उतर पश्चिम में से गुजरती है । बरसात के मौसम में मारकण्डा भयंकर रूप धारण करके जिले के कुछ भागों में बाढ का मुख्य कारण बनती हैं।

1–7 जलवायु तथा वर्षा

जिला कैथल का मौसम गर्मियों में अत्याधिक गर्म तथा सर्दियों में अत्याधिक ठण्डा रहता है । मई तथा जून के महीने में सबसे अधिक गर्मी होती है जबकि तापमान बढकर 43–45 सैल्सियस तक होता है । दिसम्बर से फरवरी तक बहुत ठण्ड पडती है जबकि तापमान गिरकर 5 से 2 सैल्सियस तक गिर जाता है । वर्ष 2012 में वार्षिक औसत वर्षा 557सै0मीटर रिकार्ड की गई

1–8 मिटटी

जिला कैथल की मिटटी बंजर कछार है जो कि जिले के मध्य दक्षिण व पश्चिम क्षेत्र में पाई जाती है इसलिए इस जिले का क्षेत्र गंगा कछार के समतल मैदान के अधीन आता है ।

1–9 भू–जल

जिला कैथल में जलस्तर विभिन्न स्थानों पर भिन्नता लिए हुए है जिला के 6 खण्डों में अध्ययन करने पर जल स्तर पाया गया :–

जल स्तर बी0पी0एल0 (मीटर में)

क0सं0	खण्ड	न्यूनतम	अधिकतम
1	कैथल	6.07	15.50
2	पूण्डरी	4.50	16.25
3	गुहला	10.00	17.25
4	कलायत	6.75	10.00
5	राजौन्द	5.80	12.00
6	सीवन	10.0	17.35

उक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि जिले में जलस्तर 3.50 मी0 से 14.25 मी0 तक भिन्नता लिए हुए है ।

1. जनसंख्या

2.1 जनसंख्या

2011 की जनगणना अनुसार जिला कैथल की जनसंख्या 1074304 थी जिसमें 571003 पुरूष तथा 503301 स्त्रियां थी । 2001–2011 की अवधि में जनसंख्या में 13.05 प्रतिषत वृद्धि हुई ।

	कुल जनसंख्या	पुरूष	स्त्रियां
ग्रामीण	838293	445931	392362
शहरी	236011	125072	110939
कुल	1074304	571003	503301

2.2 घनत्व

जिला कैथल का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का 5.24 प्रतिशत है तथा राज्य की 4.47 प्रतिशत जनसंख्या यहां रहती है । 2001 की जनगणना अनुसार यहां प्रतिवर्ग किलोंमीटर 408 व्यक्ति का घनत्व है जबकि राज्य का घनत्व 478 व्यक्ति तथा देश का घनत्व 324 व्यक्ति प्रति वर्ग किलो मीटर है ।

2.3 ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

जनगणना 2011 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में 838293 व्यक्ति (78.03 प्रतिशत) तथा शहरी क्षेत्र में 236011 व्यक्ति (21.96 प्रतिशत) रहती है । ग्रामीण जनसंख्या में से 156299 व्यक्ति गुहला तहसील में तथा 478398 व्यक्ति कैथल तहसील में तथा पुण्डरी तहसील में 203596 रहते हैं । शहरी क्षेत्रों में कैथल में 144915, चीका में 38952, पूण्डरी में 33484 तथा कलायत में 18660 व्यक्ति रहते हैं ।

	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या		
तहसील/नगर	कुल व्यक्ति	पुरूष	महिलाएं	कुल व्यक्ति	पुरूष	महिलाएं
कैथल	478398	255597	222801	163575	86728	76847
गुहला	156299	82006	74293	38952	20610	18342
पुण्डरी	203596	108328	95268	33484	17734	15750
कमेंटी						
कैथल	-	-	-	144915	76794	68121
पुण्डरी	-	-	-	33484	17734	15750
कलायत	-	-	-	18660	9934	8726
चीका	-	-	-	38952	20610	18342

2.2 लिंगानुसार अनुपात

जिला कैथल में 2011 की जनगणना अनुसार यह अनुपात 1000 पुरूषों के पीछे 881 महिलाओं का है । यह अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों में 880 तथा शहरी क्षेत्रों में 887 है । 0 से 6 वर्ष के बच्चों में यह अनुपात 1000 लड़कों के पीछे 828 लड़कियों का है जो ग्रामीण व शहरों में क्रमशः 829 व 825 है।

2.3 अनुसूचित जातियां

जिला कैथल में 2011 की जनगणना अनुसार अनुसूचित जातियों की जनसंख्या 247513 थी जोकि कुल जनसंख्या का 23.03 प्रतिशत है जबकि राज्य स्तर पर यह प्रतिशतता 20.02 प्रतिषत थी।

2.4 कार्यकर्ता

2001 की जनगणना अनुसार जिला कैथल में कुल मुख्य कार्यकर्ता 290663 थे जोकि कुल जनसंख्या का 27.05 प्रतिशत है । 2001 में कुल कार्यकर्ताओं में 55.88 कृषक, 31.31 प्रतिशत कृषक मजदूर, 0.70 प्रतिशत गृह उद्योग तथा 13.11 प्रतिशत अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे थे ।

2.5 साक्षरता ग्रामीण व शहरी

2011 की जनगणना अनुसार जिला कैथल में कुल जनसंख्या के 69.15 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे । ग्रामीण क्षेत्र में साक्षरता की प्रतिशतता 66.67 तथा शहरी क्षेत्र में 77.88 थी । इसके अतिरिक्त पुरूष वर्ग में 77.09 प्रतिशत तथा महिला वर्ग में 59.23 प्रतिशत साक्षर थे ।

तहसील अनुसार सबसे अधिक प्रतिशतता तहसील पुण्डरी में 70.07 प्रतिशत तथा गुहला में 67.02 प्रतिशत थी तथा कैथल में 69.2 प्रतिशत थी ।

	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या		
तहसील/नगर	कुल व्यक्ति	पुरूष	महिलाएं	कुल व्यक्ति	पुरूष	महिलाएं
कैथल	65.9	75.7	54.7	78.7	85.7	70.9
गुहला	65.1	72.8	56.9	75.2	81.9	67.8
पुण्डरी	69.7	79.2	59.0	77.1	84.5	68.8
कमेंटी						
कैथल				79.24	86.06	71.63
चीका	–	–	–	75.18	81.87	67.75
पुण्डरी	–	–	–	77.07	84.45	68.81
कलायत	–	–	–	74.33	82.58	65.04

2.6 रिहायशी परिवारों की संख्या

2011 की जनगणना अनुसार जिला कैथल में रिहायशी परिवारों की कुल संख्या 204274 थी जो ग्रामीण क्षेत्र में 158019 तथा शहरी क्षेत्र में 46255 थी ।

3. वन

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2011–12 में 72.16 वर्ग कि.मी. क्षेत्र वनों के अधीन था जोकि कुल क्षेत्र का 3.28 प्रतिशत है । वनों के अधीन क्षेत्र 2.73 प्रतिशत कैथल तहसील, 68.0 गुहला में तथा पुण्डरी में 1.43 प्रतिशत गुहला तहसील में आता है । वर्ष 2011–12 में भी वनों के अधीन क्षेत्र 72.16 वर्ग कि.मी. था । वन विभाग द्वारा सड़कों के दोनो ओर तथा पंचायती व निजी भूमि पर वृक्षारोपण किये गए हैं । जिला कैथल में वर्ष 2010–11 में 37 वर्ग कि.मी. वन आरक्षित राज्य वन क्षेत्र तथा 36 वर्ग कि.मी. संरक्षित राज्य वन क्षेत्र एवं 4 वर्ग कि.मी. अवर्गीकृत क्षेत्र में आते हैं ।

हरियाणा में वर्ष 2007–2008 के दौरान वनों से 40.73 करोड़ रुपये की आय हुई है । वनों के विकास हेतु योजनाएं तैयार की गई जिससे अधिक राजस्व तथा अधिक लकडी प्राप्त हो सकेगी। 194.23 करोड़ रूपये योजना एंव विकास कार्यों के लिए खर्च किए गए ।

4. कृषि

4.1 भूमि का प्रयोग

वर्ष 2011–2012 में गांव पत्रों के अनुसार जिला कैथल का भौगोलिक क्षेत्र 380 हजार हैक्टेयर था।

वर्ष 2011–12 में कृषि योग्य भूमि 380 हजार हेक्टेयर थी, निवल बोया गया क्षेत्र 201 हजार हैक्टेयर जो कि कृषि योग्य भूमि का 52 प्रतिशत था 179 हजार हेक्टेयर भूमि अर्थात निवल बोये गये क्षेत्र का 47 प्रतिशत में एक बार से अधिक फसलें बोई गई इस प्रकार कुल बोया गया क्षेत्र 380 हजार हैक्टेयर था।

तहसील कैथल व गुहला में तथा पुण्डरी में निवल बोया गया क्षेत्र क्रमशः 111858 हैक्टेयर 43998 तथा 45364 हैक्टैयर है जो कि कुल क्षेत्र का 55.6 प्रतिशत और 21.84 तथा 22.56 प्रतिशत था । एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र निवल बोये गये क्षेत्र का तहसील वार कैथल में 47.57 प्रतिशत , गुहला में 21.02 तथा पुण्डरी 20.59 प्रतिशत था।

जिला कैथल का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का केवल 5.24 प्रतिशत है परन्तु खाद्यान उत्पादन में सर्व प्रथम रहता है।

मुख्य फसलों की औसत उपज (किलो ग्राम प्रति हैक्ट0)

फसलें	2007–08	2008–09	2009–10	2010–11	2011–12	
गेहूं	4439	4836	4836	4488		
चावल	3372	2509	2509	2925		
बाजरा	3269	2231	2231	1814		
गन्ना / गुड	6322	7089	7089	7139		

4.2 भूमि जोतें

कृषि गणना 2010–11 के अनुसार जिला कैथल में कुल 71473 कृषि जोतें कार्यरत थी। इन 71473 जोतों में से 62.96 प्रतिशत जोतें दो हैक्टेयर की, 22.5 प्रतिशत 2 से 5 हैक्टेयर तक, 9.53 प्रतिशत 5 से 10 हैक्टेयर तक 3.89 प्रतिशत 10 से बीस हैक्टेयर तक तथा 1.03 प्रतिशत 20 हैक्टेयर तथा इससे ऊपर की थी।

4.3 फसल चक्र तथा क्रापिंग इन्टेनसिटी

जिला कैथल में वर्ष 2011–12 में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत 207493 हैक्टेयर तहसील कैथल में तथा 86260 हैक्टेयर तहसील गुहला तथा 86757 हैक्टेयर तहसील पुण्डरी में कुल काश्त क्षेत्र था। जिला कैथल की रबी की मुख्य फसलें, गेहूं, जौं तथा खरीफ की मुख्य फसलें धान, मक्की तथा बाजरा है। वर्ष 2011–12 में कुल बोये गये क्षेत्र का 44.96 प्रतिशत क्षेत्र गेहूं और 3.84 प्रतिशत क्षेत्र बाजरा के अधीन था।

इसी प्रकार गन्नें का क्षेत्रफल 6.79 हैक्टेयर था। सरसों तारा–मीरा व तोरीया का क्षेत्रफल 1.28 प्रतिशत था।

वर्ष 2011–12 में कुल बोये गये क्षेत्र का 41.27 प्रतिशत क्षेत्र धान के अधीन था ।

उत्पादन टनो में

फसलें	2006–07	2008–09	2009–10	2011–12
गेहूं	7260	832.0	772	943
चावल	4770	391.0	462	460
आलू	2.5	3.8	4.5	
सूरजमुखी	.	–	–	
सरसों	10	2.0	@	4.96
अन्य	110	0.3		
कुल	12175	1229.1		1407.96

4.4 मुख्य फसलों का उत्पादन

फसलों के उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा जलवायु तथा भूमि की उपजाऊ शक्ति का मुख्य योगदान रहा । जिले की मुख्य फसलें गेहूँ तथा धान हैं ।

वर्ष 2011–120 के दोरान गेहूं की पैदावार 943 हजार टन तथा चावल की पैदावार 460 हजार टन हुई ।

गन्ना/गुड़ का उत्पादन वर्ष 2011–12 में 21 हजार टन था । इसी प्रकार 2011–12 में चावल की औसत उपज 2900 कि0 ग्रा0 प्रति हैक्टेयर, गेहूँ की 5450 कि0 ग्रा0 तथा गुड़ की 7089 कि0 ग्रा0 प्रति हैक्टेयर थी ।

4.5 बागवानी एवम सब्जियॉ

जिला कैथल में असीमित सिंचाई सुविधायें उपलब्ध होने के कारण सब्जी उत्पादन भी काफी लोकप्रिय है । वर्ष 2010–11 में फल तथा सब्जियों के अधीन क्षेत्रफल 1338 है0 था जिसमें से आलु के अधीन 223 है0 क्षेत्र तथा फलों के अधीन 318है0 था।

4.6 रासायनिक उर्वरकों का वितरण

वर्ष 2011–12 में कुल उर्वरकों का प्रयोग 93271 टन रहा, इसमें 68587 टन नाइट्रोजन, टन फास्फोरस व 2861 टन पोटाश थी ।

4.7 पौधों की सुरक्षा के उपाय

वर्ष 2010–11 में 304 टन कीटनाशक दवाईयों का उपयोग किया गया । जिसमें रबी की फसल

जैसे गेहूँ के अधीन 98.1 हजार है0 तथा अन्य फसलों में गन्ना तथा तिलहन के अधिन 0 हजार है0 क्षेत्रफल पर कीटनाशक दवाईयों का स्प्रे किया गया । इसी प्रकार खरीफ की मुख्य फसल धान जिसके अन्तर्गत 79.9 हजार है0 क्षेत्र में कीटनाशक दवाईयों का प्रयोग किया गया।

4.8 कृषि उपज बिक्री संग्रहण

2010–11 में जिला कैथल में कृषि उपज की पूर्ति के लिए सात मार्किट कमेटियों कैथल, चीका, फतेहपुर पूंडरी, ढांड, सीवन, कलायत एवं पाई तथा 16 सब वार्डों/परचेज सैंटरों द्वारा खरीद करवाई गई। इन सभी मण्डियों में मुख्य आमद जीरी तथा गेहूँ फसल की रही ।

वर्ष 2009–10 के दौरान इन सभी मन्डियों में गेहूँ की वसूली 590500 टन तथा जीरी की वसूली 898800 टन थी। ।

इन मन्डियों में किसानों के रात के ठहरने के लिए किसान विश्राम गृह बनाए गए तथा इसके अतिरिक्त पीने के पानी, पशुशाला इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की गई हैं । जिला कैथल में वर्ष 2010–11 में सरकारी गोदामों की क्षमता 595 हजार टन थी।

4.9 भूमि विकास कार्यक्रम

जिला कैथल में वर्ष 2010–11 के दौरान 21030 मी0 टन जिप्सम डालकर 10515 एकड भूमि का सुधार किया गया ।

5. सिचांई

5.1 सिचाई साधन

वर्ष 2011–12 में निवल सिंचित क्षेत्र 201 हजार है0 था जो कि बोये गये निवल क्षेत्र का 99.5 प्रतिशत था ।

स्त्रोतानुसार सिंचाई साधन जैसे नलकूपों द्वारा 59.8 प्रतिशत तथा नहरों द्वारा 38.44 प्रतिशत का योगदान रहा । नलकूपों/पम्पींग सैटस द्वारा कुल 101 हजार है0 भूमि की सिंचाई की गई। वर्ष 2011–12 में तहसील कैथल तथा गुहला तथा पुण्डरी में सिंचित क्षेत्र की प्रतिशत्ता क्रमशः 99.5 प्रतिशत थी ।

वर्ष 2011–12 जिला कैथल में दो सरकारी नहरें जिनकी लम्बाई 43 मील थी, द्वारा 100 हजार है0 निवल क्षेत्र सिंचित किया गया ।

5.2 फसलानुसार सिंचित क्षेत्र

वर्ष 2011–12 में कुल बोया गया क्षेत्र 380 हजार है0 था, जिस में 378 हजार है0 सिंचित था, फसलानुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार थी । गेहुं के अधीन 45.79 प्रतिशत, धान के

अधीन 42.90 प्रतिशत , गन्ने के अधीन 6.92 प्रतिशत, कपास के अधीन 2.2 प्रतिशत, तथा तेल बीजों के अधीन 9.20 प्रतिशत तथा शेष अन्य फसलों द्वारा उपयोग किया गया ।

5.3 सिंचाई धनत्व

वर्ष 2011–12 में कुल सिंचित क्षेत्र बोए गए क्षेत्र का 100 प्रतिशत तथा निवल सिंचित क्षेत्र, बोए गए निवल क्षेत्र का 99.5 प्रतिशत रहा ।

5.4 नलकूप/पम्पिक सैटस

वर्ष 2011–12 में कुल नलकूपों तथा पम्पिक सैटों की संख्या 61907 थी इसके द्वारा 101 हजार है0 निवल भूमि की सिचाई की गई ।

5.5 बाढ

जिला कैथल में कैथल तथा गुहला तहसील के क्षेत्र मारकण्डा तथा घग्घर नदी में बाढ से प्रभावित रहते हैं ।

6. पशुपालन तथा डेयरी

6.1 पशुपालन

2011–12 की पशुगणना अनुसार जिला कैथल के पशुधन की संख्या 5246 तथा कुक्टादि की संख्या 10814 थी। 2011–12 में कुल पशुधन में से पशु 'गांए व बैल' 16.39 प्रतिशत, भैसें 77.46 प्रतिशत, भेड व बकरी 4.37 प्रतिशत और धोडे तथा खच्चर 028 प्रतिशत थे ।

वर्ष 2011–12 की पशुगणना के अनुसार पिछले वर्षों में 1.21 प्रतिशत की हुई है ।

6.2 पशु चिकित्सा सेवायें

वर्ष 2011–12 में जिला कैथल में पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए 39 पशु चिकित्सा हस्पताल, 83 पशु डिस्पैन्सरी कार्यरत थे । इन सभी संस्थानों द्वारा वर्ष 2011–12 में 230 हजार पशुओं का ईलाज किया गया । 952 पशु वधिया किये गये ।

6.3 डेयरी दुग्ध उत्पादन

वर्ष 2011–12 में दुग्ध उत्पादन कृषकों के लिए अतिरिक्त आमदनी का मुख्य साधन था । 2011–12 में जिला कैथल/पानीपत/करनाल/कुरूक्षेत्र में 168.76 लाख लिटर दूध का उत्पादन किया गया था ।

4 दूध संग्रह केन्द्रों की क्षमता 0.40 लाख लीटर प्रतिदिन थी । वर्ष 2011–12 में हरियाणा में दूध का अनुमानित उत्पादन 66.61 लाख टन हुआ तथा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध की पर्याप्तता 708ग्राम थी । जबकि वर्ष 2010–2011 में यह 680 ग्राम थी ।

वर्ष 2009–10 में जिला कैथल में दुध संघ के अन्तर्गत आमद पर कुल 176 दुग्ध समितियां कार्यरत थी । जिनकी सदस्यता 326501 थी । 178 दूध समितियां लाभ में चल रही थी । जिनके द्वारा 35.13 लाख रु0 का लाभ कमाया गया ।

7. मतस्य पालन

7.1 मतस्य

वर्ष 2011–12 में मछली पालन से कुल 216750 हजार रू0 की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 225 मछली पालन के लाइसैंस जारी किए गए । मछली पालन के लिए गावं के तालाबों के अधीन लगभग 837 है0 भूमि प्रयोग में लाई गई ।

8. विद्युत

8.1 विद्युतिकरण शहरी/ग्रामीण

जिला कैथल स्थित सभी शहरों तथा गांव का शत प्रतिशत विद्युतिकरण हो चुका है ।

8.2 नलकूप

वर्ष 2011–12 में जिला कैथल में विद्युतिकरण नलकूपों की संख्या 40801 थी ।

8.3 विभिन्न प्रयोजनों में विद्युत का उपयोग

हरियाणा में वर्ष 2010–11 के दौरान 7423.89 लाख कि0 वाट बिजली की कुल खपत हुई। इसमें से 5575.03 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में 700.07 प्रतिशत घरेलू, 766.84 प्रतिशत उद्योगिक प्रयोग हेतु, 15.49 प्रतिशत गली कुचों में रोशनी हेतु, 19.04 प्रतिशत भारी मात्रा में तथा अन्य द्वारा 16.82 प्रतिशत प्रयोग की गई ।

जिला कैथल में सयोजकों की संख्या वर्ष 2011–12 में 190956 थी। कुल सयोंजकों में 129695 धरेलु, 15631 वाणिज्यिक, 1529 औद्योगिक, 44048 कृषि क्षेत्र में तथा 53 उपयोगों के लिए संयोजक थे । जिला कैथल में वर्ष 2011–12 में 29905 ट्रांसफार्मर थे।

8.4 विद्युत उत्पादन

जिला कैथल में बिजली का उत्पादन नहीं होता ।

9. खनिज एवं उद्योग

9.1 खनिज उत्पादन

जिले में शोरे के अतिरिक्त कोई भी मुख्य खनिज उपलब्ध नहीं है।

9.2 लघु उद्योग यूनिट

वर्ष 2012 के दौरान इस जिले में 124 रजिस्टर्ड फैक्टरियां थी । जिनमें सभी फैक्टरियां कार्यरत थी । इनमें 92 फैक्टरियां 2 एम ''1'' के अधीन , ''शून्य फैक्टरियां धारा 2 एम ''11'' के अधीन तथा 29 फैक्टरियां धारा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी ।

कुल रजिस्टर्ड फैक्टरियों में वर्ष 2012 के दौरान लगभग 460 कार्यकर्ता कार्यरत थे जो कि कुल राज्य के औद्योगिक कार्यकर्ताओं का 0.39 प्रतिशत हैं ।

10. सड़क परिवहन तथा संचार

10.1 सड़कों की लम्बाई

लोक निर्माण विभाग (भवन तथा सड़कें) द्वारा सारा वर्ष सड़कों की देखभाल की जाती रही है। 2011–12 में जिला कैथल में 1016.कि0मी0 पक्की सड़के थी।

10.2 पक्की सड़कों से जुड़े हुये गांव की संख्या

जिले के सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हुये हैं। जिला कैथल में 7 रेलवे स्टेशन हैं और लाईनों की लम्बाई लगभग 45 किलोमीटर है। जबकि जिले के कुछ नगर पुण्डरी ,चीका तथा गुहला तहसील रेलवे सेवाओं से वंचित हैं।

10.3 पंजीकृत वाहन

जिला कैथल में वर्ष 2010–11 के दौरान भिन्न–2 प्रकार के कुल 17504 वाहन पंजीकृत किये गये हैं। जिनमें से 13247 स्कूटर, मोटर साईकिल, 1231 ट्रैक्टर, 172 भार वाहन, 2169 कारें तथा 6 जींपे और 135बसें तथा 313 विविध प्रकार के वाहन थे। तथा वर्ष 2010–11 में 161958 गाड़ियां सड़क पर चल रही थी, जिनमें से 9674 कारें, 3972 जींपे, 1944 भार गाड़ियां, 29613 ट्रैक्टर, 864 अन्य सार्वजनिक गांड़ियॉ, 112394 स्कूटर/मोटरसाईकिल थे व 1123 आटोरिक्शा तथा 360अन्य विविध प्रकार के पंजीकृत वाहन चल रहे थे।

10.4 डाकघर तथा तारघर

वर्ष 2011–12 में जिले में 120 डाकघर तथा 8 तार घर कार्य कर रहे थे। प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे 12 डाकघर कार्य कर रहे थे।

10.5 दूरभाष केन्द्र

31 जुलाई 2012 को कैथल सब डिविजन में 15811 दूरभाष कार्य कर रहे थे जो कि 26 दूरभाष केन्दों से जुड़े हुये थे।

11. श्रम तथा रोज़गार

11.1 औधोगिक आंकड़े

वर्ष 2010 में जिला कैथल में 19 औद्योगिक झगड़े हुये। औद्योगिक संगठनों में कोई हड़ताल नहीं हुई जिसमें शुन्य व्यक्तिों ने भाग लिया तथा नष्ट हुये श्रम दिनों की संख्या शुन्य थी।

11.2 रोज़गार केन्द्र

जिला कैथल में 2010–11 में 13220 व्यक्ति रोजगार में थे जिनमें से 11880 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र में तथा 1340 व्यक्ति नीजि क्षेत्र में लगे हुये थे।

11.3 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

वर्ष 2009–10 के दौरान 2 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं जिनकी क्षमता 508 प्रशिक्षणार्थियों की है तथा ग्रामीण दस्तकार/प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा तथा प्रमाण–पत्रों के कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

11.4 मजदूरों की औसतन दैनिक मजदूरी

वर्ष 2012 के दौरान कुल कार्यकर्ताओं जैसे बढ़ई और लौहार की दैनिक मजदूरी लगभग 250 रुपये रही जबकि 2008 में भी मजदूरी 185 रुपये थी अन्य मजदूरों की दर 150 रूपये प्रति दिन रही।

12. सहकारिता

सहकारिता वर्ष 2011–12 के दौरान जिला कैथल में सभी प्रकार की 1448 सहकारी समितियां थी जिनकी सदस्य संख्या 154160 थी ।

1448 सहकारी ऋण समितियों में 35 कृषि ऋण संबंधी, 44 गैर कृषि ऋण तथा 182 दुग्धपूर्ति, 4 बुनकर, 13 खेती 25 आवास तथा 1132 अन्य प्रकार की समितियों तथा बैंको से संबधित थे। प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे समितियों की संख्या 135 थीं।

विभिन्न प्रकार की सहकारी समितियों में कुल कार्य पूंजी 539.49 करोड़ रुपये थी जिनमें से 60.60 करोड़ रुपये हिस्सा पूंजी तथा 93.81 करोड़ रुपये निजी राशि से संबंधित थी। आबादी अनुसार प्रति व्यक्ति औसत कार्य पूंजी 5028 रुपये थी ।

13. बैंक

13.1 जिला कैथल में 31.03.2012 को 139वाणिजिक बैंक शाखायें कार्यरत थी ।

13.2 प्रति बैंक द्वारा 12960 व्यक्तियों को सेंवायें प्रदान की गई।

13.3 वर्ष 2009–10 के दौरान जिला कैथल में 44 शाखा खोली गई।

13.4 31 मार्च 2012तक 1805 करोड़ रुपये जिला कैथल के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में जमा थे जिस पर 2866करोड़ रुपये ऋण के रुप में दिये गये। इस प्रकार ऋण जमा अनुपात 182.78 प्रतिशत थी।

13.5 सबसे अधिक ऋण कृषि एवं उससे संबंधित कार्यों के लिये प्रदान किये गये।

13.6 उपरोक्त के अतिरिक्त जिले में केन्द्रीय सहकारी बैंकों की 1 तथा प्राथमिक कृषि ग्रामीण विकास बैंक की 4 शाखाऐं कार्यरत थी ।

14. कीमतें

14.1 वर्ष 2012 में गेंहू तथा धान की औसतन कीमतें क्रमशः 1280 तथा 1600 रु0 प्रति क्विंटल थी जबकि पिछले वर्ष इनका भाव क्रमश 1200 तथा 1450 रु0 था । अखाद्य पदार्थो में कपास का भाव औसतन 4000 रु0 था जबकि पिछले वर्ष कपास का औसतन भाव 6000 रु0 था।

14.2 मुख्य खाद्य पदार्थो के भाव वर्ष 2011–12 के दौरान औसतन निम्नलिखित रहे। गेहूं 14 रुपये, चावल 25.00 रुपये, मक्की 9.00 रुपये, जौं 9.00 रुपये, बाजरा 9.0 रुपये, चना 35.00 रुपये, चीनी 35.00 रुपये, सरसों का तेल 100.00 रुपये और गुड़ 40.00 रुपये प्रति कि0 ग्राम थीं।

15. शिक्षा

15.1 विद्यालय तथा महाविद्यालय

जिला कैथल में वर्ष 2011–12 में 281 प्राथमिक विद्यालय, 270 माध्यमिक विद्यालय तथा 486 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में कार्य कर रहे थे । प्रति लाख जनसंख्या के पीछे 82 प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर विद्यालय आते हैं।

15.2 जिले में वर्ष 2011–12 के दौरान 152166 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। 49414 (32.47 प्रतिशत) विद्यार्थी प्राथमिक विद्यालयों में, 9512 (6.25 प्रतिशत) माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 66620 (43.78 प्रतिशत) उच्च/वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे थे ।

15.3 प्रबंध एवं शिक्षा प्रणाली की दृष्टि से जिला कैथल में 27 महाविद्यालयों में 8929 विद्यार्थी जिसमें 4538 लड़के व 4391 लड.कियां शिक्षा प्राप्त कर रहें हैं।

15.4 इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा के लिये संबंधित बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत चीका, सीवन, पुण्डरी, कलायत, राजौंद व कैथल खण्डों में 1264 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यरत हैं।

15:5 वर्ष 2010–11 में जिला कैथल में कला तथा विज्ञान केन्द्र सहित 27 महाविद्यालय हैं, इनमें एक कालेज ऑफ एजूकेशन था। पुण्डरी विकास खण्ड के गांव कौल में कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा एक धान प्रतिशोध केन्द्र भी कार्यरत था।

16. चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य

16.1 चिकित्सा सेवायें

16.2 जिला कैथल में चिकित्सा की विभिन्न संस्थाओं जैसे सरकार, स्थानीय निकाय, ऐच्छिक संस्थाऐं तथा प्राईवेट व्यक्ति द्वारा चिकित्सा सुविधायें प्रदान की गई है।

16.3 वर्ष 2011–12 में जिला कैथल मे एक अस्पताल, 5 सामूदायिक स्वास्थय केन्द्र में 2 शहरी व 3 ग्रामिण, 23 औषधालय (आर्युवेदिक/युनानी) व 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिसमें 20 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ग्रामीण तथा 2 शहरी क्षेत्रों में तथा 2 क्षय रोग केन्दों द्वारा चिकित्सा सुविधायें प्रदान की गई। एक ऐच्छिक संस्था (प्रसूति) हस्पताल भी चलाया जा रहा है।

16.4 वर्ष 2011–12 में 669404 रोगियों को संस्थाओं द्वारा चिकित्सा सेवायें प्रदान की गई। वर्ष 2011–12 में इन सभी संस्थाओं में 300 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे। प्रत्येक एक लाख आबादी के लिये 27 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे।

16.5 वर्ष 2012 में जिले में कुल जन्मों की संख्या 23837 थी, जिनमें 9867 ग्रामीण तथा 13970शहरी क्षेत्र में हुये। वर्ष 2012 में मौतों की संख्या 6875 थी। इनकी संख्या ग्रामीण क्षेत्र में 5095 तथा शहरी क्षेत्र में 1780 थी।

16.6 परिवार कल्याण कार्यक्रम

जिला कैथल में सभी 4 परिवार कल्याण केन्द्र सारा वर्ष कार्यरत रहें। वर्ष 2011–12 में नलबन्दी तथा नसबन्दी के कुल 2954 केसिज किये गये । आई यू0 डी0 प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या वर्ष 2011–12में 8621 थी।

16.7 सुरक्षित पेय जल

जिला कैथल में पेय जल परियोजना के अधीन वर्ष 2010–11 तक कुल 211 गांव में 40 एल. पी.सी.डी. तक बढ़ोतरी की गई। 01.09.2004 के सर्वेक्षणानुसार 40 एल.पी.सी.डी. से कम वितरण वाले गांवों की संख्या 206 थी।

17. समाज कल्याण सेवायें

17.1 कल्याण विभाग (अनुसूचित जातियां, पिछड़े वर्ग)

कमजोर वर्गों के कल्याण के लिये विशेष कार्यक्रम जैसे मकान बनाने के लिए ऋण, मैट्रिक से उपर विद्यार्थियों को छात्रवृति, किताबें खरीदने हेतु बिना ब्याज के ऋण तथा मुफत वर्दियां बांटने का कार्य सारा वर्ष प्रगति पर रहा।

वर्ष 2005–2006 में कुल 34 अनुसूचित जातियों के व्यक्तियों को 5000/– रु0 प्रति व्यक्ति की दर से 1,70,000/–रु0 की राशि का वितरण मकान बनाने के लिए किया गया। इसके अतिरिक्त जिला कैथल के 04 विमुक्त जाति के व्यक्तियों को 20000/– रूपये की राशि का वितरण किया।

समाज कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2010–11 के दौरान जिला कैथल में वृद्वावस्था पैंशन के 66382 लाभार्थियों को 4683.91 लाख रु0, विधवा पैंशन के 26613 लाभार्थियों को 2268.29 लाख रु0 तथा विकलांग पैंशन के 5570 लाभार्थियों को 397.70 लाख रु0 वितरित किए गए।लाडली पेंसन योजना के 977 लाभार्थियों को 54.30 लाख रु0 वितरित किये गये ।

17.2 सघन शिशु विकास कार्यक्रम

वर्ष 2011–12 में जिले में 6 विकास खण्डों में सघन शिशु विकास कार्यक्रम परियोजना चल रही थी । वह खण्ड है :– कलायत, राजौंद, पुण्डरी, चीका, कैथल तथा सीवन। इस परियोजना के तहत छोटे–2 ग्रामीण बच्चों व प्रसुति महिलाओं को पौष्टिक आहार तथा चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराई गई।

17.3 हरियाणा इकानॉमिकली विकर सैक्शन निगम

इस निगम द्वारा गांव व शहरों से प्राप्त आवेदन पत्रों अनुसार उन व्यक्तियों को आमन्त्रित किया जाता है जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 3500/– रूपये से कम हो व स्वर्ण जाति से संबंधित हो। इस निगम के ऋण की सीमा 10,000/–रु0 तक है व दिये गये ऋण पर अनुदान की प्रतिशतता 5 प्रतिशत है।

जिला कैथल में वर्ष 2002–2003 में विभिन्न स्कीमों जैसे डायरी, फार्मिंग ;खेत की खरीद, चाय, करियाणा, होटल या दूकान इत्यादी के अन्तर्गत 71 व्यक्तियों को 1505 हजार रु0 की राशि प्रदान की गई जिसमें निगम का हिस्सा 1279 हजार रु0 व ऋण 226 हजार रु0 था।

17.4 महिला विकास निगम

हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा वर्ष 2009–10 में कुल 35 लाभार्थियों को जिनमें से अनुसुचित जाति के पिछड़ा वर्ग को 1525000/–रु0 का ऋण बांटा गया जिसमें अनुदान राशि 152500/– थी। जबकि 2007–08 में कुल लाभार्थियों की संख्या 334 थी जिनमें अनुसूचित जाति के 35 व पिछड़ा वर्ग के 140 थी, को 9146600/– रु0 ऋण के रुप में दियें गये जिसमें अनुदान राशि 903660/– थी ।

18. विविध

18.1 नगरपालिकाऐं

वर्ष 2011–12 के दौरान जिले में सभी नगरपालिकाओं की आय व्यय में वृद्वि हुई है। वर्ष 2011–12 में नगरपालिकाओं की आय 2039 लाख रुपये तथा व्यय 1727 लाख रु0 था जबकि वर्ष 2010–11 में यह क्रमशः 2060 व 1790 लाख रु0 था ।

18.2 जिला राजस्व

जिला में वर्ष 2009–10 में निम्नलिखित साधनों द्वारा राजस्व में वृद्वि हुई। हरियाणा मूल्य वर्कित कर 2003 नियम से 756726 हजार रु0 केन्द्रीय, बिक्रीकर से 8822 हजार रु0, मनोरंजन कर से 100. 00 हजार रु0 तथा शोकर टैक्स से शून्य रू0 तथा आबकारी प्रभार से 4634.00 हजार रु0 की आय हुई।

18.3 मकान परियोजना

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2010–11 में निम्न तथा मध्य वर्गीय आय वाले व्यक्तियों को मकान परियोजना हेतु कोई राशि प्रदान नहीं की गई।

18.4 पुलिस तथा अपराध

जिला कैथल में वर्ष 2011–12 में 12पुलिस स्टेशन तथा 9 पुलिस चौकियां कार्यरत थी । जिले में वर्ष 2012 के दौरान 2219 अपराध हुये जिनमें से 35 केस हत्या के, 17 केस लूट के, 234केस सेंध चोरी , 355 केस चोरी, 6केस डकैती, 35 केस हरण, 7केस सदोष मानव हत्या, केस सीक्का बनाना तथा शेष 1615 केस विविध अपराधों से संबंधित थे जबकि वर्ष 2010 में कुल 2219विभिन्न प्रकार की घटनायें हुईं थीं।

18.5 दमकल सेवाऐं

18.6 दमकल सेवाऐं

जिला कैथल में वर्ष 2010–11में 2 अग्नि दमकल कार्यरत थी तथा अब 4 आग सेवा ईंजन उपलब्ध हैं। जिमें 22 कर्मचारी कार्यरत थे जिन्होंने वर्ष के दौरान 155 सेवायें प्रदान की।

18.7 मनोरंजन

जिला कैथल में 3सिनेमा घरों द्वारा व्यक्तियों का मनोरंजन किया गया जिले में कोयल नामक रेस्टोंरेंट है जिसका प्रबन्ध हरियाणा पर्यटन निगम द्वारा किया जाता है।

18.8 टेलिविजन सैट

जिला कैथल में वर्ष 2005–2006 तक विभिन्न ग्राम पंचायतों को 14 टेलिविजन सैट सामुदायिक विकास के अन्तर्गत प्रदान किये गये।

18.9 जिला योजना

जिला कैथल में जिला योजना के अन्तर्गत वर्ष 2011–12 के दौरान कुल परियोजनाओं पर 1262 लाख रु0 खर्च किए गए जबकि गत वर्ष 2007–08 में कुल 160.00 लाख रु0 खर्च किए गए थे ।

18.10 हरियाणा सरकार के कर्मचारी

जिला कैथल में 31 मार्च 2012 को हरियाणा सरकार के अधीन कार्यालयों में 15037 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें 10258पुरूष तथा 4779 महिलाएं थी 3145 अनुसूचित जाति के तथा 2223 पिछड़े वर्ग के कर्मचारी थे ।

वर्ष 2012

श्रेणी	कुल पुरूष	कुल महिलाएं	अनु.जाति	अनु.जाति म.	पि. वर्ग पु	पि.वर्ग म.
वर्ग 1	77	20	16	1	12	5
वर्ग 2	543	128	74	22	67	12
वर्ग 3	6018	1251	1011	121	1074	167
वर्ग 4	2054	267	695	118	234	44
फुटकर कार्य प्रभारिता सवींदा आदार	1566	3113	341	746	135	473
जोड	10258	4779	2137	1008	1522	701

जिला एक नजर में

1.	जनसंख्या	1074304
2.	परिवारों की संख्या	204274
3.	अनुसूचित जाति जनसंख्या	247513
4.	साक्षरों की संख्या	646529
5.	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि.मी. 2001	408
6.	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता 2011	78.03
7.	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता 2011	21.96
8.	कुल जनसंख्या 0–6 वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता	12.97
9.	कुल जनसंख्या में लिंगानुपात	882
10.	ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात	880
11.	शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात	887
12.	0–6 वर्ग की जनसंख्या के लिंग अनुपात	828
13.	साक्षरता 2001	
	पुरूष	59.6
	स्त्रियां	40.33
	कुल	60.18
14.	एक बार से अधिक बोये गये क्षेत्र की कुल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता	191.37
15.	एक बार से अधिक बोये गये क्षेत्र की कुल निवल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता	90.6
16.	गांव के विद्युतकरण की प्रतिशतता	100.00
17.	स्कूल जाने वाले प्रति हजार बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2011	
	प्राथमिक 896	7
	माध्यमिक 270	9
	उच्चतर 486	2
18.	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या	27
19.	प्रति पांच लाख जनसंख्या के पीछे हस्पतालों की संख्या	02
20.	प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या	10000
21.	प्रति 100 वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर पक्की सतही सड़कों की लम्बाई 2008–09	64.78
22.	प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या	11
23.	प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या	1